पचमढ़ी नगर और अभयारण्य की सीमा अलग

पचमढ़ी नगर की भूमि अब राजस्व नजूल घोषित

कैबिनेट ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 27 जनवरी. लंबे समय बाद आखिरकार पचमढ़ी नगर और पचमढ़ी अभयारण्य क्षेत्र अलग- अलग हो गये हैं.

पचमढ़ी नगर के साडा के नियंत्रण वाली नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हैक्टेयर है, उसे अब पचमढ़ी अभयारण्य क्षेत्र से बाहर कर राजस्व नजूल घोषित कर दिया गया है.

कैबिनेट ने मंगलवार को इस संबंध में पेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है. पहले भी इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के कहने पर निर्णय लिया गया था लेकिन तकनीकी कारणों से पचमढ़ी नगर को अभयारण्य से बाहर नहीं किया जा सका था. अब नगर और अभयारण्य दोनों की सीमाएं अलग- अलग होंगी. इसी के साथ कैबिनेट ने प्रदेश के 9 टाइगर रिज़र्व के तहत बफर क्षेत्रों का भी विकास करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. निर्णय के तहत अगले 5 वर्षों यानी वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक के लिए कुल 390 करोड़ रुपये विकास कार्यों पर खर्च किये जाएंगे. इसके तहत बफर क्षेत्रों के विकास के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में चेनलिंक फेसिंग, वन्यप्राणी सुरक्षा, चारागाह विकास, जल स्त्रोतों का विकास, अग्नि सुरक्षा, वन्य प्राणी उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण और कौशल उन्नयन जैसे कार्य किये जायेंगे.

कैबिनेट ने नर्मदापुरम में 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए 215 करोड़ 47 लाख रूपये की मंजूरी दी है. निर्णय के मुताबिक तवा परियोजना दायीं तट नहर की बागरा शाखा नहर होज सिंचाई परियोजना की लागत 86 करोड़ 76 लाख रूपये, प्रस्तावित सिंचाई क्षेत्र 4200 हैक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी. परियोजना से नर्मदापुरम जिले की बाबई एवं सोहागपुर तहसील के 33 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ होगा. वहीं तवा परियोजना की दांयी तट नहर से पिपरिया ब्रांच केनाल होज सिंचाई परियोजना को भी हरी झंडी दी गई है. इस परियोजना की लागत 128 करोड़ 71 लाख रूपये है. 6 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी, इससे सोहागपुर तहसील के 30 ग्राम लाभान्वित होंगे.

जारी रहेंगी 17864 करोड़ लागत वाली 17 योजनाएं

तीन अलग- अलग विभागों की 17 परियोजनाएं आगे भी जारी रहेंगी. निर्णय के तहत जनजातीय कार्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और राजस्व विभाग की वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए 17 योजनाओं की निरंतरता के लिए 17,864 करोड़ 26 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है. स्वीकृति अुनसार जनजातीय कार्य विभाग की शुल्क की प्रतिपूर्ति, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण, स्काउट गाइड, परिवहन, स्वास्थ्य, विभिन्न पुरस्कार आदि 15 योजनाओं के लिए 377 करोड़ 26 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई.

ग्वालियर में मावठ से जनजीवन प्रभावित, और बढ़ेगी सर्दी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर. समूचे ग्वालियर चंबल अंचल में मंगलवार को कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा. इस वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ.

सुबह से आसमान में बादल छाए हुए थे, जो दोपहर बाद मावठ की बारिश में बदल गए. दोपहर 12.30 बजे से शुरू हुई बारिश देर शाम तक जारी थी. शाम 6 बजे तक 4.2 एमएम बारिश हो चुकी थी. बारिश के बाद समूचे अंचल में ठंड और बढ़ गई है. बीते 48 घंटों के दौरान चंबल क्षेत्र के मौसम में अचानक बदलाव देखा गया है. अंचल में ठंडी हवाओं के असर से दिन का तापमान करीब 6 डिग्री तक गिर गया. तीन दिन पहले जहां अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा था, वह घटकर 21 से 22 डिग्री पर पहुंच गया. मंगलवार को दिन में अधिकतम तापमान 19.3 डिग्री सेल्सियस पर रिकॉर्ड हुआ है.

एक नजर में

घर में घुसी तेज रफ्तार बोलेरो, एक की मौत

रीवा. रीवा-सिरमौर मार्ग के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मझगवा में बीती शाम हुए सडक़ हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल है. जिन्हें उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है. घटना के संबंध में ग्राम मझगवा निवासी मृतक मोहम्मद कमरुद्दीन के परिजनों ने बताया कि तेज रफ्तार बोलेरो बैकुंठपुर से रीवा की ओर जा रही थी इसी दौरान अनियंत्रित होकर उनके घर में जा घुसी. बोलेरो में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं.

हाथियों के झुंड ने मवेशियों को मारा

अनूपपुर. खांडा गांव में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया. हाथियों ने एक ग्रामीण के घर को निशाना बनाया और वहां बंधे दो मवेशियों को मार डाला. इसके साथ ही खेतों में लगी फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है. वन परिक्षेत्र अधिकारी स्वर्ण गौरव सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से इलाके में घूम रहे तीन हाथियों के झुंड ने बलराम के मवेशियों पर हमला कर दिया. हाथियों ने एक गर्भवती गाय और एक बैल को पैर या सूंड से मारकर मौत के घाट उतार दिया. गनीमत रही कि बाकी मवेशी अपनी रस्सी तोड़कर जंगल की ओर भाग निकले और उनकी जान बच गई.

अगले दो दिनों के लिए 28 जिलों में चेतावनी

मध्यप्रदेश में कोहरे के बीच बारिश का दौर शुरू

2 -3 डिग्री तापमान में गिरावट

भोपाल,27 जनवरी. मध्यप्रदेश में ठंड से राहत मिलने की बजाय मौसम और बिगड़ने जा रहा है. घने कोहरे और ठंडी हवाओं के बीच राज्य में 27 और 28 जनवरी को बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने हरियाणा क्षेत्र में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन और उससे जुड़ी ट्रफ लाइन के प्रभाव से भोपाल, ग्वालियर सहित 28 जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है. इसके चलते प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ेगी. तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिरने की संभावना है और रात का पारा कई शहरों में 10 डिग्री से नीचे चला जाएगा.

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि उत्तर भारत में बने सिस्टम के चलते पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान एवं आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय है.

इसके अलावा एक प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम राजस्थान एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में सक्रिय है. पूर्वोत्तर भारत में 250 किमी/घंटा की रफ्तार से उपोष्ण पछुआ जेट स्ट्रीम भी प्रभावी है. आगामी 30 जनवरी की रात से नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है. आगरा, भिंड, मुरैना, शिवपुरी/ कुनो एनपी, ग्वालियर/ एपी, निवारी/ ओरछा और दतिया/रतनगढ़ में बिजली चमकने के साथ मध्यम तूफान या ओलावृष्टि की संभावना जताई है.

16 मिनट में होगा शिकायतों का समाधान

भोपाव, 27 जनवरी. भोपाल मंडल ने ''रेल मदद'' पोर्टल/ एप के माध्यम से यात्री शिकायत निवारण में महत्वपूर्ण सुधार किया है.

मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के नेतृत्व में तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली से शिकायत समाधान समय में बड़ी कमी आई है. 01 अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच 33,577 शिकायतों का औसत समाधान समय 43 मिनट था, जबकि 01 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 में शिकायतों की संख्या बढ़कर 38,674 होने के बावजूद औसत समाधान समय घटकर मात्र 16 मिनट हो गया. शिकायतों की संख्या में वृद्धि के बावजूद समाधान समय में लगभग 63 प्रतिशत की कमी मंडल की कार्यकुशलता और यात्रियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

यात्रियों से लिया जाता है फीडबैक

रेलवे की हेल्पलाइन 139 सहित सभी शिकायत माध्यमों को ''रेल मदद'' में एकीकृत किया गया है, जिससे शिकायतें तुरंत संबंधित विभाग तक पहुंचती हैं और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होता है. निस्तारण के बाद यात्रियों से फीडबैक भी लिया जाता है, जिससे सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाती है और संबंधित विभागों को तुरंत सूचना भेजी जाती है.

पेज एक का शेष

4 हजार मेगावाट के लगेंगे पॉवर प्लांट

इससे प्रदेश में कुल विद्युत उपलब्धता में बढ़ोत्तरी होने के साथ-साथ बिजली की मांग की शत-प्रतिशत आपूर्ति संभव होगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग मित्र नीतियों, सशक्त अधोसंरचना और सुशासन आधारित व्यवस्था के परिणाम स्वरूप मप्र देश - विदेश के निवेशकों और औद्योगिक समूहों के लिए पहली प्राथमिकता बनता जा रहा है. विद्युत उत्पादन में भूमि- जल- पर्यावरण-कोयला-रेलवे लाइन आदि का बेहतर समन्वय आवश्यक है. इन सब आधारों पर मध्यप्रदेश उपयुक्त है. 2030 तक मिलने लगेगी बिजली: एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने राज्य में स्थापित किए जाने वाले नए विद्युत संयंत्रों से डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट डीबीएफओओ के तहत विद्युत दर आधारित प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से 3200 मेगावाट बिजली खरीद के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं. इसमें बिजली खरीद के ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त 800 मेगावॉट की बिजली खरीद का विकल्प भी शामिल था. इसके अनुसार मेसर्स हिन्दुस्तान थर्मल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 800 मेगावॉट, मेसर्स टोरेंट पॉवर लिमिटेड को 1600 मेगावॉट तथा मेसर्स अदानी पॉवर लिमिटेड को 800 मेगावॉट व ग्रीन्शू विकल्प के तहत अतिरिक्त 800 मेगावॉट क्षमता आवंटित की गई है. टोरेंट द्वारा 24 हजार करोड़ रुपए, अडाणी पॉवर द्वारा 24 हजार करोड़ रुपए तथा हिन्दुस्थन थर्मल द्वारा 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है. इन सभी क्षमताओं के लिये विद्युत आपूर्ति अनुबंध संबंधित चयनित विकासकों द्वारा गठित स्पेशल पर्पस व्हीकल्स के साथ किए गए हैं. इन विद्युत आपूर्ति अनुबंधों के तहत वर्ष 2030 से विद्युत आपूर्ति होना संभावित है.

महाकाल मंदिर में कलेक्टर का फैसला रहेगा सर्वमान्य

नई दिल्ली, 27 जनवरी. उच्चतम न्यायालय ने उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में 'वीआईपी दर्शन' की व्यवस्था को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विषय न्यायिक निर्णय के दायरे में नहीं आता है.

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मंदिर में कथित 'वीआईपी दर्शन' को गर्भगृह में जलाभिषेक की अनुमति और आम श्रद्धालुओं पर पाबंदी को लेकर उच्च न्यायालय में उठाया था. सुको ने हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा और कहा कि गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा कलेक्टर ही तय करेंगे. याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है.

प्रदेश में यूएफबीयू के आह्वान पर बैंक हड़ताल

भोपाल,27 जनवरी. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशव्यापी बैंक हड़ताल के दौरान भोपाल में भी बैंककर्मियों ने व्यापक और प्रभावी रूप से प्रदर्शन किया.

एमपी नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स हड़ताल का प्रमुख केंद्र बना, जहां 5000 से अधिक बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए. प्रदर्शनकारियों ने '5-दिवसीय बैंकिंग लागू करो' और 'बैंककर्मियों के स्वास्थ्य और सम्मान से समझौता नहीं' जैसे नारे लगाकर सरकार और बैंक प्रबंधन को स्पष्ट संदेश दिया कि कर्मचारियों की मांगों को अब टाला नहीं जा सकता.

बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने हड़ताल में भाग लिया.

नेतृत्व और भागीदारी

हड़ताल का नेतृत्व यूएफबीयू के संयोजक संजीव कुमार मिश्रा, मध्यप्रदेश अध्यक्ष सुबीन सिन्हा एवं सेक्रेटरी दिनेश झा, तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ भोपाल सर्कल के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव ने किया. इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें प्रमुख नाम हैं: वीरू शर्मा, दीपकरत्न शर्मा, संजय कुदेशिया, नज़ीर कुरेशी, शोभित वादेल, प्रवीण मेघानी, वी.एस. नेगी, सुनील सिंह. मध्यप्रदेश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर भी एआईबीओसी के बैनर तले

भारी संख्या में कर्मचारियों ने दिया समर्थन

अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग की भारी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भी आंदोलन में भाग लेकर हड़ताल को और मजबूत बनाया. प्रमुख सहभागी नामों में शामिल हैं: रजनीश पौराणिक, सुरेश बाबू मीणा, अरविंद पंडियार, क्षितिज तिवारी, निर्भय सिंह, अंबरिश नंदा, दीपक शुक्ला, सुमित कुमार, कपिला मेघानी, दीपमाला शीतल, शिवा मोहन मिश्रा, रोहित यादव आदि.

विपक्ष चिंता | **विपक्ष ने भाजपा सरकार पर बोला तीखा हमला**

बच्चों के कल्याण में विफलता, पटवारी चिंतित

10 लाख बच्चे प्रदेश में कुपोषित हैं

विशेष संवाददाता

भोपाल,27 जनवरी. मध्य प्रदेश में बच्चों से जुड़े लगातार सामने आ रहे चिंताजनक मामलों को लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है.

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया कि ये घटनाएं किसी एक स्थान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि असंवेदनशील शासन, प्रशासनिक उदासीनता और गहराते भ्रष्टाचार का परिणाम हैं. कांग्रेस नेताओं के अनुसार श्योपुर जिले में बच्चों को रद्दी अखबार के पन्नों पर भोजन परोसे जाने की घटना सामने आई. वहीं विदिशा में एक मासूम बच्ची को सड़क किनारे कचरे के ढेर से भोजन बीनते देखा गया. हाल ही में मैहर में गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर बच्चों को फटी हुई कॉपी के पन्नों में मध्यान्ह भोजन परोसे जाने का मामला भी उजागर हुआ.

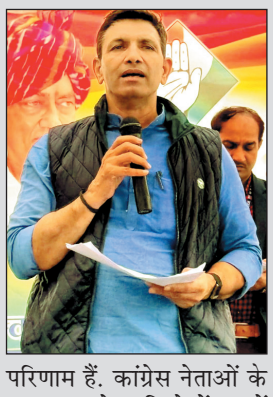

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि ये घटनाएं केवल तस्वीरें नहीं हैं, बल्कि प्रदेश में शासन व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं के पतन का प्रतीक हैं. उन्होंने कहा कि यह बच्चों के साथ-साथ शिक्षा, संविधान और विद्या की गरिमा का भी अपमान है.

पटवारी ने बताया कि स्थिति इसलिए और गंभीर है क्योंकि मध्य प्रदेश कुपोषण के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है. प्रदेश में करीब 10 लाख बच्चे कुपोषित हैं, जिनमें लगभग 1.36 लाख गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं.

उन्होंने केंद्रीय सरकारी आंकड़ों और सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए पोषण योजनाओं में अनियमितताओं का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि बढ़ते कर्ज के बावजूद राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य, सम्मान और भविष्य की रक्षा करने में विफल रही है और उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए.

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय
तीसरी मंजिल,जीवन सेवा अनेक्स,
एस.वी. रोड, सांताक्रूज (प.), मुंबई-400054

CIO
बीमा लोकपाल परिषद
Council for Insurance Ombudsmen

विज्ञापन क्रमांक 3/2025-2026 दिनांक:28.01.2026

सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित)/ स्वतंत्र बीमा टीपीए/ जीवन बीमा उद्योग में अनुभवी व्यक्तियों की 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद पर संविदात्मक आधार पर (कॉन्ट्रैक्ट पर) नियुक्तियाँ

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय द्वारा निम्नलिखित बीमा लोकपाल कार्यालयों में 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद के लिए जीवन बीमा/सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित) कंपनियों में (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से)/ स्वतंत्र भारतीय बीमा टीपीए से सेवानिवृत्त/स्वेच्छिक रूप स सेवानिवृत्त/इस्तीफा देने वाले अनुभवी व्यक्तियों की सविन्दात्मक आधार पर (Contractual basis) ऑनलाइन आवेदन द्वारा नियुक्ति प्रस्तवित हैं

अहमदाबाद	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर
चंडीगढ़	चेन्नई	दिल्ली	कोच्चि
गुवाहाटी	हैदराबाद	जयपुर	कोलकाता
लखनऊ	मुंबई	नोएड़ा	पटना
पुणे	ठाणे		

पात्रता :

(i) न्यूनतम आयु – 40 वर्ष से कम नहीं और अधिकतम आयु – 62 वर्ष से अधिक नहीं (ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि पर)।

(ii) अधिकारी के रूप में भारत में स्थित सार्वजनिक/ अथवा निजी बीमा कंपनी/ स्वतंत्र बीमा टीपीए में न्यूनतम दस साल का अनुभव। जहाँ तक सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के आवेदकों का संबंध है, केवल ऐसे आवेदक पात्र होंगे जिनका अंतिम कार्यभार (असाइनमेंट) सार्वजनिक क्षेत्र बीमा कंपनी के समकक्ष स्केल II, III या IV का रहा हो।

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18.02.2026 शाम 17:30 बजे तक है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र, पात्रता, संविदात्मक नियुक्ति (contractual engagement) की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य निर्देशों के लिए कृपया QR कोड को स्कैन करे/हमारी वेबसाइट www.cioins.co.in. पर जायें (आप "Engagement of Specialist" टैब के अंतर्गत देख सकते हैं)।

टिप्पणी : इस संबंध में शुध्दिपत्र/ अगली जानकारी यदि कोई हो, तो इसी वेबसाइट में अधिसूचित की जायेगी। व्याख्या में संदेह होने पर अंग्रेजी विज्ञापन मान्य होगा।

महासचिव (बीमा लोकपाल परिषद)

CBC 15227/12/0003/2526

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14